वन उत्पादकता संस्थान, रांची

साझा किसान बैठक

27.01.2020

निदेशक डां. नितिन कुलकर्णी के सफल दिशा निर्देश में आज दिनांक 27.01.2021 को विभिन्न अखिल भारतीय परियोजनाओं (AICRPs) क्रियान्वयन हेतु जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में परियोजनाओं के तहत संस्थान के समुह समंवयक (अनुसंधान) डा. योगेश्वर मिश्रा के नेतृत्व में वृक्षारोपण हेतु जमीन उपलब्धता हेतु किसान के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे खुंटी जिला के कर्रा, तोरपा, रांची जिला के बुढ़मु एवं पिठोरिया प्रखंड के 9 किसानों ने भाग लिया।

विभिन्न परियोजनाओं के तहत पौधरोपण हेतु विभिन्न प्रजाति के पौधों का वर्णन करने से पूर्व डा. मिश्रा ने संस्थान का परिचय कराते हुए बताया कि वन उत्पादक्ता संस्थान एक शोध संस्थान है जो विभिन्न परियोजनाओं का संचालन करते हुए अपने शोध के परिणामों को आमजनों तक पहुचाने का काम करती है। उन्होने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के विभिन्न संस्थाओं द्वारा तैयार किये गये एवं तैयार की जा रही लाभदायक वृक्ष प्रजाति, घास प्रजाति, पशुचारा प्रजाति आदि का विस्तार से वर्णन किया एवं तैयार किये गये विभिन्न प्रजाति के क्लोनों की भी जानकारी दिया। संस्थान द्वारा खूंटी, बुढ़मु, लातेहार, गेतलसुद आदि जगहों पर लगाए गए विभिन्न प्रजाति के पौधों का भी उल्लेख किया। उन्होने अपने प्रस्तुतिकरण में संस्थान द्वारा स्थापित किए गए बांस के प्रदर्शन प्रक्षेत्र का विशेष उल्लेख किया और बताया कि बांस को चुकि 2017 में अधिनियम के द्वारा वन उत्पाद की श्रेणी से बाहर कर दिया है इसीलिए यह आमजन के पसंद की प्रजाति बन चुका है। इसी तर्ज पर अन्य वृक्ष प्रजातियों को भी इस बैठक के द्वारा जन सामान्य तक पहुंचाने की पहल की जाएगी।

डा. योगेश्वर मिश्रा ने बैठक की आवश्यकता की चर्चा करते हुए बताया कि संस्थान द्वारा विभिन्न परियोजनाओं क तहत विभिन्न प्रजाति के पौधों, बांस, चारा, इमारती एवं व्यवसायिक वन्य प्रजाति के पौधों का पौधरोपण किया जाना है जिसके लिए संस्थान को भूमि की अवश्यकता है। पौधरोपण, प्रबंधन आदि के खर्चों का वहन संस्थान द्वारा की जाएगी किन्तु उसकी सुरक्षा एवं सामयिक सूचना का दायित्व लाभुक किसानों का होगा। परियोजना समाप्ति के बाद तैयार वृक्ष, बांस आदि पर लाभूक किसानों का अधिकार होगा। इस बीच रोपित पौधों से आकड़े एकत्र करना, उसपर लगने वाले रोग व्याधि का नियंत्रण करना तथा किसानों से संवाद एवं सूचना एकत्र करने के लिए संस्थान के कर्मचारियों का भ्रमण एवं अवलोकन चलता रहेगा। खूंटी से सुनील कुमार शर्मा, पिठौरिया से युगल किशोर महतो, सुरेश महतो, जयनाथ मुंडा आदि ने विचार रखते हुए अपनी समस्या से भी अवगत कराया। उनकी समस्याओं का निराकरण करते हुए डा. योगेश्वर मिश्रा ने आग्रह किया कि अपनी भावी पीढ़ी को स्वच्छ, स्वस्थ पर्यावरण देने के लिए तथा उनकी समृद्धि के लिए आप आगे आए, संस्थान आपके साथ कदम मिलाकर किसानों की समृद्धि एवं विकसित भारत निर्माण के लिए अपनी पूरी क्षमता से कार्य करेगी।

दूसरे सत्र में किसानों को व्यावहारिक ज्ञान एवं संस्थान के द्वारा किए जा रहे कार्यों की क्षेत्र जानकारी, क्षेत्र भ्रमण के दौरान श्री रविशंकर प्रसाद, श्री बी.डी.पंडित, श्री सूरज कुमार, श्री महेश कुमार एवं श्री मनोज कुमार के द्वारा किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन एवं कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा श्री बी.डी.पंडित, तकनीकी अधिकारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में विस्तार प्रभाग के श्री एस.एन.वैद्य, श्री बी.डी.पंडित, श्री सूरज कुमार एवं वन वर्धन के श्री महेश कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

साझा किसान बैठक की झलकियां

प्रतिभागियों द्वारा नर्सरी एवं पौधशाला का भ्रमण

प्रतिभागियों द्वारा नर्सरी एवं पौधशाला का भ्रमण